School of Studies in Library and Information Science

Jiwaji University, Gwalior

NAAC Accredited 'A++' Grade

On behalf of the Organizing Committee, we are pleased to invite you to the

Inaugural Function

of

NATIONAL SEMINAR CUM HANDS ON PRACTICE ON LIBRARY AUTOMATION AND DIGITIZATION SOFTWARE

Chairman

Prof. Avinash Tiwari

Vice Chancellor

Jiwaji University, Gwalior

Chief Guest

Prof. Ajay Pratap Singh

Director General

National Library & Raja Rammohun Roy Library Foundation, Kolkata

Special Guest

Prof. D. N. Goswami

Rector

Jiwaji University, Gwalior

Key Note Speaker

Shri Ram Kumar Matoria

Ex. Senior Technical Director

Library and Informatics Division, NIC HQ New Delhi

Date: September 18th, 2023

Time: 10:30 A.M.

Shri Arun Singh Chouhan
Registrar

Prof. J. N. Gautam
Organizing Secretary

Venue: Dr. A. P. J. Abdul Kalam Central Instrumentation Facility
Jiwaji University, Gwalior

NATIONAL SEMINAR
ON PRACTICE ON LIBRARY
AND DIGITIZATION SOFTWARE
18 - 24 SE BER, 2023
School of

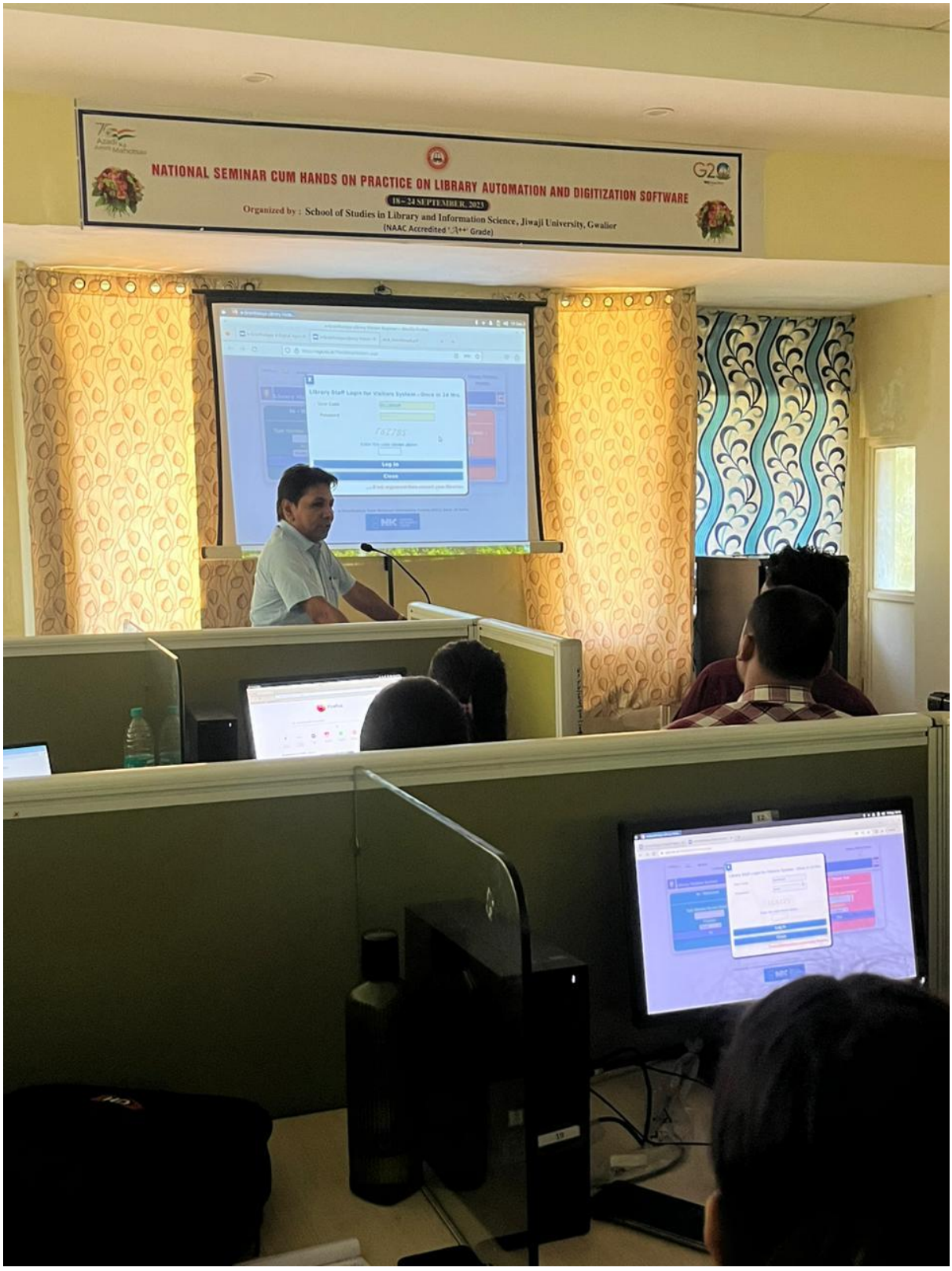

NATIONAL SEMINAR CUM HANDS ON PRACTICE ON LIBRARY AUTOMATION AND DIGITIZATION SOFTWARE
18 - 24 SEPTEMBER, 2023
Organized by : School of Studies in Library and Information Science, Jiwaji University, Gwalior
(NAAC Accredited 'A++' Grade)
Library Staff Login for Visitors System - Once in 24 Hrs.
Log In
Close

ग्वालियर ■ मंगलवार 19 सितंबर 2023 ■ वर्ष -25 ■ अंक-61 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹03

दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

गणेश चतुर्थी आज

वक्रतुण्ड महाकाय
सूर्यकोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव
सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला में हुआ लाइब्रेरी आटोमेशन एंड डिजीटाइजेशन पर सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

हमें समय के अनुरूप बदलाव करना चाहिएः प्रो. अजय प्रताप सिंह

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जेयू के सीआईएफ विभाग में नेशनल सेमीनार कम हैंड्स ऑन प्रैक्टिस ऑन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजीटाइजेशन सॉफ्टवेयर विषय पर होने वाले सात दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। सेमीनार का शुभारंभ राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक प्रो. अजय प्रताप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षता जेयू के प्रभारी कुलपति प्रो. मुकुल तेलंग ने की। मुख्य वक्ता के रूप में एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक रामकुमार मटोरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में जेयू के कुलसचिव अरूण चौहान व एनआईसी के सह निदेशक जितेंद्र पाराशर उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्जवलित कर किया। तत्पश्चात प्रो. जेएन गौतम द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति ने बदलाव का काम किया है जिससे रीजनल भाषा को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि हमें समय के अनुरूप बदलाव करना चाहिए। कोई भी नई सोसायटी स्थापित होती है तो उसके साथ यह भी देखा जाता है कि सूचना से कैसे कनेक्ट किया जाए। ग्रामीण स्तर पर कैसे लाइब्रेरी को बढ़ावा दिया जाए इस पर ध्यान देना चाहिए। बुक प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी। समय बदल रहा है हमें पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए। सामान्य पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने की बजाय विशेष पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

हिन्दी को महत्व दिया जाना चाहिएः चौहान

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे जेयू के प्रभारी कुलपति प्रो. मुकुल तेलंग ने कहा कि वर्तमान समय में हम ऑटोमेशन में काफी आगे बढ़ चुके हैं। वर्तमान में ई लाइब्रेरी में काफी पुस्तक उपलब्ध हैं। छात्र लाइब्रेरी से दूर होते जा रहे हैं उन्हें लाइब्रेरी की ओर लाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुलसचिव अरूण चौहान ने कहा कि हिंदी को महत्व दिया जाना चाहिए। समय के अनुसार बदलाव आवश्यक है। जितेंद्र पाराशर ने कहा कि समय के परिवर्तन साथ हमको भी परिवर्तन करना होगा इसके लिए ई लाईब्रेरी आवश्यक है। आने वाले समय में सभी विवि व महाविद्यालय में ई लाइब्रेरी की शुरुआत होगी। पचास लाख किताबें ई ग्रंथालय में उपलब्ध है इसमें मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आरके मटोरिया ने कहा कि किसी काम को बताने में नहीं करने में विश्वास रखना चाहिए। सबसे पहले लाईब्रेरी को ऑटोमेट करें उसके बाद टूल्स का प्रयोग करें। बारकोड का प्रयोग करें।समय के साथ नई तकनीक का प्रयोग करते रहना चाहिए। नवाचार की ओर ध्यान देना चाहिए।कार्यशाला में अतिथियों द्वारा कोहा एवं डी स्पेस से संबंधित मैनुअल का विमोचन किया गया।प्रो.जेएन गौतम ने सभी अतिथियों को शॉल श्रीफल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन खुशबू राहत व आभार व्यक्त प्रो.हेमंत शर्मा ने किया। इस मौके पर प्रो. आईके पात्रो, प्रो. एसके द्विवेदी , प्रो.नलिनी श्रीवास्तव प्रो. एसडी सिसौदिया, प्रो.एमके गुप्ता, प्रो. एसके शुक्ला, प्रो. एसके सिंह, डॉ. सतेंद्र सिंह सिकरवार, डॉ. पीके जैन, डॉ. निधि श्रीवास्तव, शकील कुरैशी, विकास राठौर, संजय जादौन सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

पेज 16

ग्वालियर ■ गुरुवार 21 सितंबर 2023 ■ वर्ष-25 ■ अंक-63 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹03

दैनिक
जनता के साथ जनता की आवाज
सत्ता सुधार

रास्ते में गड्ढे-गंदगी... अफसरों को फटकार और लापरवाहों ....

भोपाल आज का तापमान
MIN 24
MAX 30

पेज 02 राजकाज | विन्ध्य को विकास के नए आयाम मिले : मंत्री शुक्ल...

जेयू में सात दिवसीय कार्यशाला

प्रतिभागियों ने सीखा कोहा इंस्टालेशन व मॉड्यूल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जेयू के ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला में सेमिनार के तीसरे दिन एन.आई.टी. जालन्धर से आए विषय विशेषज्ञ डी.पी. त्रिपाठी ने पहले सत्र में कोहा इंस्टालेशन की जानकारी दी।जिसमें सभी प्रतिभागियों को कोहा इंस्टाल करने का प्रशिक्षण दिया गया।दूसरे सत्र में झांसी से आए विषय विशेषज्ञ डॉ. शिवपाल सिंह कुशवाह ने कोहा के मोडयूल की जानकारी दी साथ ही किताबो के स्टैंडर्ड फॉर्मेट के बारे में भी बताया एवं मार्क, आईएसबीडी की जानकारी दी। तृतीय सत्र में सभी प्रतिभागियो ने कैटालॉग मॉड्यूल में किताबों की एंट्री कर अभ्यास किया। चतुर्थ सत्र में विशेषज्ञों ने

सर्कुलेशन मॉड्यूल की जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह से मेंबरशिप, बारकोड जनरेट कर किताबों का आदान प्रदान किया जाता है। पंचम सत्र में ओपेक मॉड्यूल के बारे बताया कि किस तरह पाठकों की वांछित सामग्री को ओपेक मॉड्यूल से खोज कर उन्हें उपलब्ध कराते है।आयोजन सचिव प्रो. जे.एन. गौतम ने बताया की कोहा सॉफ्टवेयर एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर है इसकी जानकारी से प्रतिभागी अपनी लाईब्रेरी में बिना किसी व्यय के ऑटोमेशन का कार्य संचालन कर सकते है। अन्त में आयोजन सचिव गौतम ने सभी विषय विशेषज्ञ एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि निश्चित रूप से प्रतिभागी इस सेमिनार के माध्यम से लाईब्रेरी के विकास में मदद करेंगे।

नई शिक्षा नीति से बदलाव, क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा मिला

जीवाजी विश्वविद्यालय के सीआइएफ विभाग में नेशनल सेमिनार कम हैंड्स ऑन प्रैक्टिस ऑन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजिटलाइजेशन सॉफ्टवेयर विषय पर सात दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक प्रो.अजय प्रताप मौजूदगी में हुआ। प्रो. सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति ने बदलाव का काम किया है जिससे रीजनल भाषा को बढ़ावा मिला है। हमें समय के अनुरूप बदलाव करना चाहिए। कोई भी नई सोसायटी स्थापित होती है तो उसके साथ यह भी देखा जाता है कि उसे सूचना से कैसे कनेक्ट किया जाए।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण स्तर पर कैसे लाइब्रेरी को बढ़ावा दिया जाए, इस पर ध्यान देना चाहिए। बुक प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी। समय बदल रहा है हमें पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए। सामान्य पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने की बजाय विशेष पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्षता जेयू के प्रभारी कुलपति प्रो.मुकुल तेलंग ने की। कुमार मटोरिया विशिष्ट अतिथि के निदेशक जितेंद्र पाराशर उपस्थित मुख्य वक्ता के रूप में एनआइसी रूप में जेयू के कुलसचिव अरूण थे। प्रो.जेएन गौतम द्वारा स्वागत के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक राम चौहान व एनआईसी के सह भाषण दिया।

जेयू में आयोजित लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजिटलाइजेशन सेमिनार में मौजूद प्रोफेसर एवं छात्र।

पुस्तकालय के प्रति छात्रों में रुचि पैदा की जाये

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे जेयू के प्रभारी कुलपति प्रो. मुकुल तेलंग ने कहा कि वर्तमान समय में हम ऑटोमेशन में काफी आगे बढ़ चुके हैं। वर्तमान में ई-लाइब्रेरी में काफी पुस्तक उपलब्ध है। छात्र लाइब्रेरी से दूर होते जा रहे है उन्हें लाइब्रेरी की ओर लाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुलसचिव अरूण चौहान ने कहा कि हिंदी को महत्व दिया जाना चाहिए। समय के अनुसार बदलाव आवश्यक है। जितेंद्र पाराशर ने कहा कि समय के परिवर्तन के साथ हमको भी परिवर्तन करना होगा, इसके लिए ई-लाईब्रेरी आवश्यक है। पचास लाख किताबें ई ग्रंथालय में उपलब्ध हैं इसमें मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर है।

सेमिनार को संबोधित करते आर के मटोरिया।

समय के साथ नई तकनीक का उपयोग करें

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आरके मटोरिया ने कहा कि किसी काम को बताने में नहीं करने में विश्वास रखना चाहिए। सबसे पहले लाईब्रेरी को ऑटोमेट करे उसके बाद टूल्स का प्रयोग करें। बारकोड का प्रयोग करें।समय के साथ नई तकनीक का प्रयोग करते रहना चाहिए। नवाचार की ओर ध्यान देना चाहिए।कार्यशाला में अतिथियों द्वारा कोहा एवं डी स्पेस से संबंधित मैनुअल का विमोचन किया गया। प्रो.जेएन गौतम ने सभी अतिथियों को शॉल श्रीफल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन खुशबू राहत व आभार व्यक्त प्रो.हेमंत शर्मा ने किया। इस मौके पर प्रो.आईके पात्रो, प्रो.एसके द्विवेदी , प्रो.नलिनी श्रीवास्तव प्रो.एसडी सिसौदिया, प्रो.एमके गुप्ता, प्रो.एसके शुक्ला,प्रो.एसके सिंह, डा. .सतेंद्र सिंह सिकरवार, डॉ. पीके जैन, डी.निधि श्रीवास्तव, सकील कुरैशी, विकास राठौर, संजय जादौन सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

बच्चों की पसंद के 'गणेश'

मोटू-पतलू और मूसक की सवारी करती श्रीजी की प्रतिमाएं बच्चों को पसंद आ रही है।

सबह खत का इंतजार, शाम को

CT-912N
TWO WAY POWER
2 POWER

नए ग्वालियर में भी प्रवेश मिल सकेगा।

अब गांवों में लाइब्रेरी बढ़ाने का समय आ गया : प्रो. सिंह

ग्वालियर| जेयू के सीआईएफ विभाग में सोमवार को लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजीटाइजेशन' सॉफ्टवेयर विषय पर सात दिन की राष्ट्रीय सेमीनार की शुरुआत हुई। सेमीनार का शुभारंभ राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक प्रो.अजय प्रताप ने किया। अध्यक्षता जेयू के प्रभारी कुलपति प्रो.मुकुल तैलंग ने की।मुख्य वक्ता के रूप में एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक राम कुमार मटोरिया, विशिष्ट अतिथि के रूप में जेयू के कुलसचिव अरुण चौहान व एनआईसी के सह निदेशक जितेंद्र पाराशर मौजूद थे।

ी बैठा रहे थे।

पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए : प्रो. सिंह

पीपुल्स संवाददाता ● ग्वालियर
मो.नं. 9644644430

नई शिक्षा नीति ने बदलाव का काम किया है, जिससे रीजनल भाषा को बढ़ावा मिला है। हमें समय के अनुरूप बदलाव करना चाहिए। कोई भी नई सोसायटी स्थापित होती है तो उसके साथ यह भी देखा जाता है कि सूचना से कैसे कनेक्ट किया जाए। ग्रामीण स्तर पर कैसे लाइब्रेरी को बढ़ावा दिया जाए, इस पर ध्यान देना चाहिए। बुक प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी। समय बदल रहा है हमें पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए। सामान्य पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने की बजाय विशेष पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

यह बात राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक प्रो. अजय प्रताप सोमवार को जीवाजी विवि के सीआईएफ विभाग में कम हैंड्स ऑन प्रैक्टिस ऑन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजिटाइजेशन सॉफ्टवेयर विषय पर आयोजित सात दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। विवि के प्रभारी कुलपति प्रो. मुकुल तेलंग ने कहा कि वर्तमान समय में हम ऑटोमेशन में काफी आगे बढ़ चुके हैं। वर्तमान में ई लाइब्रेरी में काफी पुस्तक उपलब्ध हैं। छात्र लाइब्रेरी से दू होते जा रहे हैं उन्हें लाइब्रेरी की ओ लाने की आवश्यकता है। विशि अतिथि कुलसचिव अरूण चौहान कहा कि हिंदी को महत्व दिया जा चाहिए। समय के अनुसार बदल आवश्यक है। प्रो. जेएन गौतम सभी अतिथियों को शॉल श्रीफल मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

नई शिक्षा नीति ने बदलाव का किया है काम : प्रो.अजय प्रताप

ग्वालियर, (आरएनएन)। नई शिक्षा नीति ने बदलाव का काम किया और रीजनल भाषा को भी बढ़ावा मिला है। किसी भी नई सोसायटी की स्थापना पर यह ध्यान रखना पड़ता है कि सूचना से कैसे कनेक्ट करें। यह जरूरी है कि ग्रामीण स्तर पर लाइब्रेरी हो। यह बात प्रो अजय प्रताप ने जेयू के सीआईएफ विभाग में 7 दिवसीय नेशनल सेमिनार की शुरुआत पर कही।

प्रभारी कुलपति प्रो.मुकुल तेलंग ने कहा हम ऑटोमेशन में बहुत आगे

हैं। कुलसचिव अरुण चौहान ने हिंदी के महत्व को बताया। जितेंद्र प्राराशर ने ई-लाइब्रेरी की जरूरत बताई। मुख्य वक्ता आरके सटोरिया ने कहा, सभी को काम करने में विश्वास रखना चाहिए। संचालन खुशबू राहत व आभार व्यक्त प्रो.हेमंत शर्मा ने किया।

पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए : प्रो. सिंह

पीपुल्स संवाददाता ● ग्वालियर
मो.नं. 9644644430

नई शिक्षा नीति ने बदलाव का काम किया है, जिससे रीजनल भाषा को बढ़ावा मिला है। हमें समय के अनुरूप बदलाव करना चाहिए। कोई भी नई सोसायटी स्थापित होती है तो उसके साथ यह भी देखा जाता है कि सूचना से कैसे कनेक्ट किया जाए। ग्रामीण स्तर पर कैसे लाइब्रेरी को बढ़ावा दिया जाए, इस पर ध्यान देना चाहिए। बुक प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी। समय बदल रहा है हमें पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए। सामान्य पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने की बजाय विशेष पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

यह बात राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक प्रो. अजय प्रताप सोमवार को जीवाजी विवि के सीआईएफ विभाग में कम हैंड्स ऑन प्रैक्टिस ऑन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजिटाइजेशन सॉफ्टवेयर विषय पर आयोजित सात दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। विवि के प्रभारी कुलपति प्रो. मुकुल तेलंग ने कहा कि वर्तमान समय में हम ऑटोमेशन में काफी आगे बढ़ चुके हैं। वर्तमान में ई लाइब्रेरी में काफी पुस्तक उपलब्ध हैं। छात्र लाइब्रेरी से दूर होते जा रहे हैं उन्हें लाइब्रेरी की ओर लाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव अरूण चौहान ने कहा कि हिदी को महत्व दिया जाना चाहिए। समय के अनुसार बदलाव आवश्यक है। प्रो. जेएन गौतम ने सभी अतिथियों को शॉल श्रीफल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

ग्वालियर में भी प्रवेश मिल सकेगा।

अब गांवों में लाइब्रेरी बढ़ाने का समय आ गया : प्रो. सिंह

ग्वालियर| जेयू के सीआईएफ विभाग में सोमवार को लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजीटाइजेशन' सॉफ्टवेयर विषय पर सात दिन की राष्ट्रीय सेमीनार की शुरुआत हुई। सेमीनार का शुभारंभ राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक प्रो.अजय प्रताप ने किया। अध्यक्षता जेयू के प्रभारी कुलपति प्रो.मुकुल तैलंग ने की.मुख्य वक्ता के रूप में एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक राम कुमार मटोरिया, विशिष्ट अतिथि के रूप में जेयू के कुलसचिव अरुण चौहान व एनआईसी के सह निदेशक जितेंद्र पाराशर मौजूद थे।

ी बैठा रहे थे।

पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए : प्रो. सिंह

पीपुल्स संवाददाता ● ग्वालियर
मो.नं. 9644644430

नई शिक्षा नीति ने बदलाव का काम किया है, जिससे रीजनल भाषा को बढ़ावा मिला है। हमें समय के अनुरूप बदलाव करना चाहिए। कोई भी नई सोसायटी स्थापित होती है तो उसके साथ यह भी देखा जाता है कि सूचना से कैसे कनेक्ट किया जाए। ग्रामीण स्तर पर कैसे लाइब्रेरी को बढ़ावा दिया जाए, इस पर ध्यान देना चाहिए। बुक प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी। समय बदल रहा है हमें पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए। सामान्य पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने की बजाय विशेष पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

यह बात राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक प्रो. अजय प्रताप सोमवार को जीवाजी विवि के सीआईएफ विभाग में कम हैंड्स ऑन प्रैक्टिस ऑन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजिटाइजेशन सॉफ्टवेयर विषय पर आयोजित सात दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। विवि के प्रभारी कुलपति प्रो. मुकुल तेलंग ने कहा कि वर्तमान समय में हम ऑटोमेशन में काफी आगे बढ़ चुके हैं। वर्तमान में ई लाइब्रेरी में काफी पुस्तक उपलब्ध हैं। छात्र लाइब्रेरी से दू होते जा रहे हैं उन्हें लाइब्रेरी की ओ लाने की आवश्यकता है। विशि अतिथि कुलसचिव अरूण चौहान कहा कि हिंदी को महत्व दिया जा चाहिए। समय के अनुसार बदल आवश्यक है। प्रो. जेएन गौतम सभी अतिथियों को शॉल श्रीफल मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

नई शिक्षा नीति ने बदलाव का किया है काम : प्रो.अजय प्रताप

ग्वालियर, (आरएनएन)। नई शिक्षा नीति ने बदलाव का काम किया और रीजनल भाषा को भी बढ़ावा मिला है। किसी भी नई सोसायटी की स्थापना पर यह ध्यान रखना पड़ता है कि सूचना से कैसे कनेक्ट करें। यह जरूरी है कि ग्रामीण स्तर पर लाइब्रेरी हो। यह बात प्रो अजय प्रताप ने जेयू के सीआईएफ विभाग में 7 दिवसीय नेशनल सेमिनार की शुरुआत पर कही।

प्रभारी कुलपति प्रो.मुकुल तेलंग ने कहा हम ऑटोमेशन में बहुत आगे हैं। कुलसचिव अरुण चौहान ने हिंदी के महत्व को बताया। जितेंद्र प्राराशर ने ई-लाइब्रेरी की जरूरत बताई। मुख्य वक्ता आरके सटोरिया ने कहा, सभी को काम करने में विश्वास रखना चाहिए। संचालन खुशबू राहत व आभार व्यक्त प्रो.हेमंत शर्मा ने किया।

आर.एन.आई. नं. एम.पी.एच.आई.एन./2008/27836 वर्ष-16 | अंक-26 | ग्वालियर | मंगलवार 19 सितम्बर 2023 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रूपया

दैनिक
नगर चिंगारी
हर पल आपके लिए

गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

हमें समय के अनुरूप बदलाव करना चाहिए:प्रो.अजय प्रताप सिंह

लाइब्रेरी आटोमेशन एंड डिजीटाइजेशन पर सात दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

नगर चिंगारी | ग्वालियर

जेयू के सीआईएफ विभाग में नेशनल सेमिनार कम हैंड्स ऑन प्रैक्टिस ऑन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजीटाइजेशन सॉफ्टवेयर विषय पर होने वाले सात दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। सेमिनार का शुभारंभ राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक प्रो.अजय प्रताप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षता जेयू के प्रभारी कुलपति प्रो.मुकुल तेलंग ने की।मुख्य वक्ता के रूप में एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक राम कुमार मटोरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में जेयू के कुलसचिव अरूण चौहान व एनआईसी के सह निदेशक जितेंद्र पाराशर उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्जवलित कर किया। तत्पश्चात प्रो.जेएन गौतम द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो.अजय प्रताप सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति ने बदलाव का काम किया है जिससे रीजनल भाषा को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि हमें समय के अनुरूप बदलाव करना चाहिए। कोई भी नई सोसायटी स्थापित होती है तो उसके साथ यह भी देखा जाता है कि सूचना से कैसे कनेक्ट किया जाए। ग्रामीण स्तर पर कैसे लाइब्रेरी

को बढ़ावा दिया जाए इस पर ध्यान देना चाहिए।बुक प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी।समय बदल रहा है हमें पुस्तकालय को नई दिशा देने के बारे में सोचना चाहिए। सामान्य पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने की बजाय विशेष पुस्तकालयाध्यक्ष बनाने पर ध्यान देना चाहिए।उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे जेयू के प्रभारी कुलपति प्रो.मुकुल तेलंग ने कहा कि वर्तमान समय में हम ऑटोमेशन में काफी आगे बढ़ चुके है। वर्तमान में ई लाइब्रेरी में काफी पुस्तक उपलब्ध है।छात्र लाइब्रेरी से दूर होते जा रहे है उन्हें लाइब्रेरी की ओर लाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुलसचिव अरूण चौहान ने कहा कि हिंदी को महत्व दिया जाना चाहिए।समय के अनुसार बदलाव आवश्यक है। जितेंद्र पाराशर ने कहा कि समय के परिवर्तन साथ हमको भी परिवर्तन करना होगा इसके लिए ई लाईब्रेरी आवश्यक है।आने वाले समय में सभी विवि व महाविद्यालय में ई लाईब्रेरी की शुरुआत होगी। पचास लाख किताबें ई ग्रंथालय में उपलब्ध है इसमें मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर है।मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आरके मटोरिया ने कहा कि किसी काम को बताने में नहीं करने में विश्वास रखना चाहिए। सबसे पहले लाईब्रेरी को ऑटोमेट करें उसके बाद टूल्स का प्रयोग करें।बारकोड का प्रयोग करें।समय के साथ नई तकनीक का प्रयोग करते रहना चाहिए। नवाचार की ओर ध्यान देना चाहिए।कार्यशाला में अतिथियों द्वारा कोहा एवं डी स्पेस से संबंधित मैनुअल का विमोचन किया गया।प्रो.जेएन गौतम ने सभी अतिथियों को शॉल श्रीफल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए।कार्यक्रम का संचालन खुशबू राहत व आभार व्यक्त प्रो.हेमंत शर्मा ने किया।इस मौके पर प्रो.आईके पाजे, प्रो.एसके द्विवेदी , प्रो.नलिनी श्रीवास्तव प्रो.एसडी सिसोदिया,प्रो.एमके गुप्ता, प्रो.एसके शुक्ला,प्रो.एसके सिंह, डॉ.सतेंद्र सिंह सिकरवार,डॉ.पीके जैन,डॉ.निधि श्रीवास्तव,सकील कुरैशी,विकास राठौर,संजय जादौन सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।